भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल
राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बस्ती

BHARAT RATNA SARDAR VALLABH BHAI PATEL
RAJKIYA ENGINEERING COLLEGE, BASTI

बांसी रोड, बस्ती (उ.प्र.)-272002

दिनांक: 14 अप्रैल 2026

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह पर रिपोर्ट

भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बस्ती ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती को अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनके सामाजिक न्याय, समानता और भारतीय संविधान के निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण किया गया तथा संस्थान की उनके आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक प्रो. कुलदीप सहाय के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने डॉ. अंबेडकर के एक सशक्त एवं शिक्षित समाज के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है और विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम तथा जिम्मेदारी को अपनाकर एक प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण में योगदान देना चाहिए। प्रो. सहाय ने यह भी बल दिया कि तकनीकी शिक्षा को सामाजिक न्याय और समावेशिता की समझ के साथ जोड़ना अत्यंत आवश्यक है, जैसा कि डॉ. अंबेडकर ने परिकल्पित किया था।

डीन श्री रणितेश गुप्ता ने डॉ. अंबेडकर द्वारा प्रतिपादित संवैधानिक मूल्यों—समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व—पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे इन मूल्यों को न केवल अपने शैक्षणिक जीवन में, बल्कि अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में भी आत्मसात करें। समन्वयक श्री राजकुमार सिंह ने शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि इनका दायित्व केवल तकनीकी दक्षता प्रदान करना ही नहीं, बल्कि ऐसे सामाजिक रूप से जागरूक इंजीनियर तैयार करना भी है जो नैतिक और संवैधानिक मूल्यों से परिपूर्ण हों। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करें और अपने शैक्षणिक आचरण तथा भविष्य के व्यावसायिक जीवन में उन्हें निरंतर प्रतिबिंबित करें।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षक श्री सुधीर कुमार ने अपने भावपूर्ण संबोधन में डॉ. अंबेडकर के सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उनके शब्दों ने विद्यार्थियों को कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, दृढ़ता और उत्कृष्टता के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के प्रभारी यशवंत कुमार यादव ने अंबेडकर के आदर्शों को करियर विकास के संदर्भ में जोड़ते हुए निष्पक्षता, समान अवसर और योग्यता आधारित प्रगति पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने भविष्य के कार्यक्षेत्र में समावेशिता और नैतिक आचरण को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

छात्र वक्ताओं में दीप चंद ने डॉ. अंबेडकर के सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष और शिक्षा को सशक्तिकरण के माध्यम के रूप में उनकी आजीवन प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। अर्पण द्विवेदी ने समान अवसर और ज्ञान को गरिमा एवं प्रगति का आधार बताने वाले अंबेडकर के विचारों को साझा किया, जो श्रोताओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहे।

14/04/2026

14/04/2026

कार्यक्रम का समापन एक गरिमामय एवं प्रेरणादायक वातावरण में हुआ, जिसमें समानता, एकता और सामाजिक न्याय के मूल्यों के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया गया। यह आयोजन न केवल डॉ. अंबेडकर की विरासत को नमन था, बल्कि उनके द्वारा परिकल्पित राष्ट्र निर्माण के आदर्शों के साथ कॉलेज के शैक्षणिक उद्देश्य को भी सशक्त करता है।

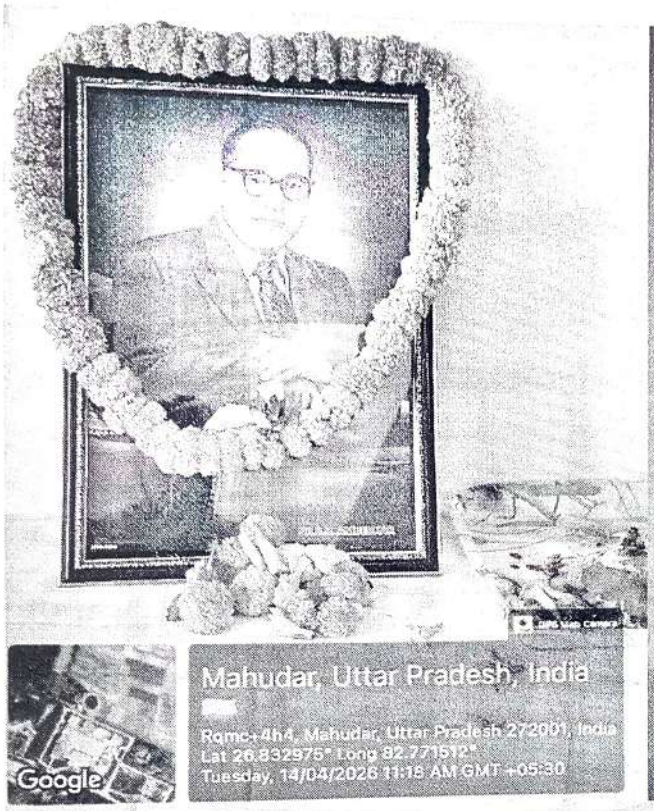

14/04/2026

14/04/2026